

नेप गबेषणा निर्देशिका २०२३

१. प्रारंभिक

१.१ भूमिका

जातीय प्राथमिक शिक्षा एकाडेमि (नेप)-एर अन्यतम काज प्राथमिक शिक्षार मानोमयने गबेषणा परिचालना करा। १९७८ साले प्रतिटा पर खेकेइ नेप प्राथमिक शिक्षार विभिन्न समस्या ओ सम्भावना निये प्रति बहर एकाधिक गबेषणा परिचालना करे आस्छे। अस्तोवर २००४ साले नेप संविधिबद्ध संस्था हिसेबे आधारकाश करार पराओ ए धारा अव्याहत रयेहे। नेप एककाबे एवं अन्यान्य देश/विदेश संस्थार सँगे योथाबे गबेषणा कार्यक्रम परिचालना करे थाके। ताहाडा प्राथमिक ओ गणशिक्षा मञ्जगालय एवं प्राथमिक शिक्षा अधिदक्षरेर निर्देशनार परिष्ठेकितेओ नेप विभिन्न गबेषणा परिचालना करो। एই सकल गबेषणा कार्यक्रम सुष्ठुभाबे परिचालनार जन्य “नेप गबेषणा निर्देशिका २०२३” प्रणयन करा हयेहे।

१.२ संज्ञा

विषय वा प्रसँगेर परिपर्वि कोन किन्तु ना थाकले, एই निर्देशिकाय-

- (क) “गबेषणा कमिटि” अर्थ नेपेर गबेषणा कार्यक्रम सुष्ठुभाबे परिचालनार जन्य गठित कमिटि;
- (ख) “एनसिटिबि” अर्थ जातीय शिक्षाक्रम ओ पाठ्यपृष्ठक बोर्ड;
- (ग) “एकाडेमि” अर्थ जातीय प्राथमिक शिक्षा एकाडेमि;
- (घ) “गबेषक” अर्थ एই निर्देशिकार ३.१ ए वर्णित योग्यतासम्पन्न एकाडेमिर अनुषद सदस्य;
- (ঙ) “प्रधान गबेषक” अर्थ गबेषणा-दलेर सदस्यगणेर यद्यो अधिक अभिज्ञतासम्पन्न नेपेर गबेषक;
- (চ) “प्रथितयशा गबेषक” अर्थ शिक्षा विषयक गबेषणाय नृन्यतम १० बहरेर अभिज्ञतासम्पन्न कोन सनामधन्य विश्विद्यालयेर शिक्षक वा एकइ योग्यतार प्राथमिक शिक्षा संश्लिष्ट ब्यक्ति।

१.३ गबेषणा निर्देशिकार उद्देश्य

- क) नेप अनुषद सदस्यसह प्राथमिक शिक्षाय सम्पृष्ठ कर्मकर्ता ओ शिक्षकगणेर पेशादारित उभयने गबेषणा कार्यक्रमे अंश्वाहणे उৎसाहित करा एवं प्राथमिक शिक्षार मानोमयने गबेषणा चाहिदा निरूपण करा एवं गबेषणा परिचालना करा;
- ख) प्राथमिक शिक्षार विभिन्न उम्मयन परिकल्पना, प्रकल्प, कर्मसूचि एवं परिकल्पना बास्तवायन सम्पर्कित गबेषणा परिचालना करा;
- গ) प्राथमिक शिक्षाय उम्मयन-शेखानो कार्यक्रमेर मानोमयने गबेषणात्तिक सहायता प्रदान करा;
- ঘ) नेप कर्तृक परिचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमेर गुणगতमान उभयনे गबेषणा करा;
- ঙ) प्राथमिक बিদ्यालয়ের शिखन-শেখানो कार्यक्रमेर मानोमयने गबेषणात्तिक सহাযतা प्रদান करা;
- চ) पिटिआইসমুহের कार्यक्रमेर गतिशीলতা ओ श্বচ্ছতा आनयने नতुन नতुন चाहिदा ओ युগोपযोगिता निरूपण एवं प्रशिक्षण बास्तবायन परबर्ती प्रভाब निरूपन गक्ति ओ प्रক्रिया उष्टाबन करা;
- ছ) प्राथमिक शिक्षाय परिचालित विभिन्न धरनेर प्रशिक्षण कार्यक्रमेर उपयोगिता याचाइ ओ मानोमयने सहायता करা;
- জ) प्राथमिक शिक्षार उभযনের लक्ष्य नीतি, परिकल्पনा ओ कार्यक्रम ग्रहणे गबेषणा परिचालना करा;
- ঘ) गबेषणालক फलाफल बिस्तरণे कर्मশालা, सेमिनार एবं कनফারেন্স আয়োজন করা;
- ঙ) नेप कर्तृक परिचालित सकल प्रकार गबेषणाय जातीय ओ आन्तर्जातिक मान बজाय रাখা;
- ট) जातीय/आन्तर्जातिक/বেসরকারী संस्थार साथे योथ उদ্যোগे गबेषणा परिचालনা;
- ঠ) जातीয়/আন্তর্জাতিক संস্থার अनুরোধ एবং प्राथमिक ओ गणশिक्षा मञ্জগালয়েर निर्देशनाय गबेषणा परिचালনা করা।

১৭/১০/১২-০
ড. বিলকিস বেগম
প্রাথমিক ও গণশিক্ষা মञ্জগালের
গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকার

মোঃ শাহ আলম
অতিরিক্ত সচিব
মহাপরিচালক
জাতীয় প্রাথমিক শিক্ষা একাডেমি (নেপ)
ময়মনসিংহ।

২. গবেষণা কার্যক্রমের ব্যবস্থাগন্ত

২.১ গবেষণা কমিটির কাঠামো

নেপের গবেষণা কার্যক্রম সুষ্ঠুভাবে পরিচালনার জন্য একটি গবেষণা কমিটি থাকবে। এই কমিটি নিম্নরূপ সদস্য নিয়ে গঠিত হবে:

১। মহাপরিচালক, জাতীয় প্রাথমিক শিক্ষা একাডেমি (নেপ)	সভাপতি
২। মুগ্ধসচিব (বিদ্যালয়), প্রাথমিক ও গণশিক্ষা মন্ত্রণালয়, বাংলাদেশ সচিবালয়, ঢাকা	সদস্য
৩। পরিচালক, জাতীয় প্রাথমিক শিক্ষা একাডেমি (নেপ)	সদস্য
৪। সদস্য, প্রাথমিক শিক্ষাক্রম, এনসিটিবি, ঢাকা	সদস্য
৫। জাতীয় প্রাথমিক শিক্ষা একাডেমি (নেপ)-এর ৬টি অনুষদের প্রধান (৬ জন)	সদস্য
৬। উপপরিচালক (প্রশাসন), জাতীয় প্রাথমিক শিক্ষা একাডেমি (নেপ)	সদস্য
৭। উপপরিচালক (মূল্যায়ন), জাতীয় প্রাথমিক শিক্ষা একাডেমি (নেপ)	সদস্য
৮। উপপরিচালক (শিক্ষাক্রম ও গবেষণা), প্রাথমিক শিক্ষা অধিদপ্তর, মিরপুর, ঢাকা।	সদস্য
৯। গবেষণা ও শিক্ষাক্রম উন্নয়ন অনুষদের সদস্য ২ (দুই) জন, মহাপরিচালক, নেপ কর্তৃক মনোনীত	সদস্য
১০। নেপ বহির্ভূত (আইআর, আইইডি) শিক্ষা গবেষক ২ (দুই) জন, মহাপরিচালক, (নেপ) কর্তৃক মনোনীত	সদস্য
১১। অনুষদ প্রধান, গবেষণা ও শিক্ষাক্রম উন্নয়ন অনুষদ, নেপ	সদস্য সচিব

২.২ গবেষণা কমিটির কার্যপরিধি

গবেষণা কমিটির কার্যপরিধি নিম্নরূপ:

- ক) গবেষণা প্রস্তাবনাসমূহ (বাজেটসহ) পর্যালোচনা ও অনুমোদন করা;
- খ) গবেষণা প্রতিবেদন চূড়ান্তকরণে পরামর্শ প্রদান করা;
- গ) গবেষণা কার্যক্রম বাস্তবায়নের জন্য প্রয়োজনে বিভিন্ন উপকরণ গঠন করা;
- ঘ) গবেষণা কার্যক্রমে গবেষণা ও শিক্ষাক্রম উন্নয়ন অনুষদকে সহায়তা করা।

২.৩ গবেষণা ও শিক্ষাক্রম উন্নয়ন অনুষদের কার্যপরিধি

- ক) গবেষকদের নিকট হতে গবেষণা প্রস্তাবনা আহ্বান এবং নির্দিষ্ট সময়ের মধ্যে সংগ্রহ করা;
- খ) নির্দিষ্ট সময়ের মধ্যে গবেষণা প্রস্তাবনাসমূহ পর্যালোচনা করে প্রাথমিকভাবে নির্বাচন করা;
- গ) গবেষণা প্রস্তাবনাসমূহ চূড়ান্ত অনুমোদনের জন্য গবেষণা কমিটিতে উপস্থাপন করা;
- ঘ) অনুমোদিত গবেষণাসমূহের কার্যক্রম তত্ত্বাবধান ও সমন্বয় সাধন করা।

২.৪ গবেষণা কার্যক্রমের ধরণ

সংশ্লিষ্ট বাজেটের পরিধি অনুসারে তিন ধরণের গবেষণা কার্যক্রম পরিচালিত হবে:

- ক) ক্ষুদ্র গবেষণা: অনুর্ধ্ব ৩,০০,০০০/- (তিনি লক্ষ) টাকা বাজেট সম্পর্ক গবেষণা;
- খ) মধ্যম গবেষণা: ৩,০০,০০০/- (তিনি লক্ষ) টাকার উর্ধ্বে এবং ১০,০০,০০০/- (দশ লক্ষ) টাকা পর্যন্ত বাজেট সম্পর্ক গবেষণা;
- গ) বৃহৎ গবেষণা: ১০,০০,০০০/- (দশ লক্ষ) টাকার উর্ধ্বে বাজেট সম্পর্ক গবেষণা;
- ঘ) নেপ বোর্ড অব গর্ভরস এর অনুমোদন সাপেক্ষে মহাপরিচালক গবেষণা কার্যক্রমের আর্থিক পরিধি চাহিদার পরিপ্রেক্ষিতে পুনঃনির্ধারণ করতে পারবেন।

২.৫ গবেষণা কার্যক্রম মূল্যায়ন

গবেষণা কমিটি গবেষণা কার্যক্রম মূল্যায়নের জন্য একজন প্রথিতযশা গবেষক (নেপ বহির্ভূত) ও গবেষণায় অভিজ্ঞতা সম্পর্ক নেপের ২ (দুই) জন অনুষদ সদস্য নিয়োগ করবেন। উক্ত মূল্যায়নকারীগণ গবেষণা প্রস্তাবে বর্ণিত উদ্দেশ্য ও পরিধির আলোকে গবেষণার বিভিন্ন কার্যক্রম মূল্যায়ন করবেন। তবে মূল্যায়ন কমিটিতে সংশ্লিষ্ট গবেষণা দলের কোনো সদস্য অন্তর্ভুক্ত হবেন না।

২

১০/১০
২৭/১০/২০২০
ত. বিলকিস বেগম
উপসচিব
প্রাথমিক ও গণশিক্ষা মন্ত্রণালয়
গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকার

মেটিং শাই আলম
অভিযন্ত সচিব
মহাপরিচালক
জাতীয় প্রাথমিক শিক্ষা একাডেমি (নেপ)
ময়মনসিংহ

୨.୬ ଗବେଷଣା ପରିଧି

ନେପ କର୍ତ୍ତକ ପରିଚାଳିତ ଗବେଷଣା ପରିଧି ନିମ୍ନରୂପ ହବେ:

- (କ) ପ୍ରାଥମିକ ଶିକ୍ଷାୟ ପରିଚାଳିତ ଶିକ୍ଷାମୂଳକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ/ପ୍ରଜେଟ୍/ପ୍ରୋଗ୍ରାମ;
- (ଖ) ପ୍ରାକ-ପ୍ରାଥମିକ ଓ ପ୍ରାଥମିକ ଭରେ ଶିଖନ-ଶେଖାନୋ ପରିଜ୍ଞାନ ଓ କୌଣସି, ଶିକ୍ଷା ଉପକରଣ, ସଂଶିକ୍ଷାକ୍ରମିକ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ, ଶିକ୍ଷାରୀ ଓ ଶିଖନ ମୂଲ୍ୟାଙ୍କନ;
- (ଗ) ପ୍ରାକ-ପ୍ରାଥମିକ ଓ ପ୍ରାଥମିକ ଭରେ ଶିକ୍ଷାକ୍ରମ ଓ ପାଠ୍ୟପୁଷ୍ଟକ;
- (ଘ) ଶିକ୍ଷାର ପ୍ରୟୁକ୍ଷିତ ବ୍ୟବହାର;
- (ଚ) ଶିକ୍ଷକଦେର ମୌଲିକ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣସହ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ, ପେଶାଗତ ଦକ୍ଷତା ଉପରୟନ, ପ୍ରଶିକ୍ଷଣ ବାନ୍ଦବାୟନ, ପ୍ରଯୋଗ, ପ୍ରଭାବ, ମନ୍ଟରିଂ ଓ ଫଳାବର୍ତ୍ତନ;
- (ଛ) ଅଦିବାସୀ, ପ୍ରତିବକ୍ଷି ଶିଶୁ, ପଥଶିଶୁ ଓ ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ସୁବିଧାବକ୍ଷିତ ଶିଶୁର ଶିଖନ-ଶେଖାନୋ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ;
- (ଜ) ଏକାଭୂତ ଶିକ୍ଷା ଓ ଜ୍ୱେତାର ସଂବେଦନଶୀଳତା;
- (ଚ) ଜାତୀୟ ଓ ଆନ୍ତର୍ଜାତିକ ପ୍ରେକ୍ଷାପଟେ ଆଲୋଚିତ ପ୍ରାକ-ପ୍ରାଥମିକ ଏବଂ ପ୍ରାଥମିକ ଭରେ ଶିଖନଘାଟତି, ପରିବର୍ତ୍ତନଶୀଳ ପ୍ରବନ୍ତା ଇତ୍ୟାଦି ବିଷୟକ ମୌଲିକ ଗବେଷଣା।

୨.୭ ଗବେଷଣା ପ୍ରତାବନା କାଠାମୋ

ଏକଟି ଗବେଷଣା ପ୍ରତାବନା ପ୍ରଧାନତ ନିମ୍ନବର୍ଣ୍ଣିତ ବିଷୟମୁହଁ ଅନ୍ତର୍ଭୁକ୍ତ ଥାକିବେ:

- (କ) ଗବେଷଣା ଶିରୋନାମ;
- (ଖ) ଭୂମିକା/ଗବେଷଣା ସମସ୍ୟା;
- (ଗ) ଗବେଷଣାର ଯୌତୁକତା;
- (ଘ) ଗବେଷଣାର ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ;
- (ଙ) ଗବେଷଣାର ପରିଧି;
- (ଚ) ଗବେଷଣା ପରିଜ୍ଞାନ (ବିଶ୍ୱ ବିବରଣ୍ସହ);
- (ଛ) ତଥ୍ୟ ବିଶ୍ୱେଷଣ/ଉପାତ ଉପର୍ଦ୍ଵାପନ ପରିକଳନା;
- (ଜ) କର୍ମପରିକଳନା/ସମୟସୀମା;
- (ଝ) ବାଜେଟ ବିଭାଜନ; ଏବଂ
- (ଞ) ଗ୍ରହପଞ୍ଜି।

୨.୮ ଗବେଷଣା ଅନୁମୋଦନ ପ୍ରକ୍ରିୟା ଏବଂ ସମୟସୀମା (timeline)

ଗବେଷଣା ବିଷୟ ନିର୍ବିଚନ ଓ ଅନୁମୋଦନରେ ସମୟମୁଚ୍ଚ ନିମ୍ନରୂପ ହବେ:

- କ) ପ୍ରତାବନା ଆହାନ: ଗବେଷଣା ଓ ଶିକ୍ଷାକ୍ରମ ଉପରୟନ ଅନୁଷ୍ଠାନିକ ଗବେଷଣା ପ୍ରତାବନା ଅନୁଷ୍ଠାନ ସଦ୍ୟ/କର୍ମକର୍ତ୍ତାଦେର ନିକଟ ଥେକେ ଆହାନ: ସମୟସୀମା ଭୁଲାଇ ମାସ;
- ଖ) ପ୍ରତାବନା ଉପର୍ଦ୍ଵାପନ ଓ ସାଚାଇ: ଗବେଷଣା ପ୍ରତାବନା ପାଓଯାର ପର ଗବେଷଣା ଓ ଶିକ୍ଷାକ୍ରମ ଉପରୟନ ଅନୁଷ୍ଠାନ କର୍ତ୍ତକ ଗବେଷଣା ନିର୍ଦ୍ଦେଶନାର ୨.୬ ଅନୁଷ୍ଠାନରେ ସାଥେ ଗବେଷଣା ପ୍ରତାବନା କରଟା ସାମଞ୍ଜସ୍ୟପୂର୍ଣ୍ଣ ତା ପରିକ୍ଷା କରେ ପ୍ରାଥମିକଭାବେ ନିର୍ବିଚନ। ସମୟସୀମା ଆଗନ୍ତୁ ମାସ;
- ଗ) ପ୍ରତାବନା ଅନୁମୋଦନ: ପ୍ରାଥମିକଭାବେ ନିର୍ବିଚନ ଗବେଷଣା ପ୍ରତାବନାମୁହଁ ଗବେଷଣା କମିଟିର ନିକଟ ଅନୁମୋଦନରେ ଜନ୍ୟ ଉପର୍ଦ୍ଵାପନ ଏବଂ କମିଟିର ସୁପାରିଶେର ପ୍ରେକ୍ଷିତେ ଗବେଷଣା ପ୍ରତାବନା (ମୁହଁ) ପରିମାର୍ଜନରେ ଜନ୍ୟ ସଂଶୋଧ ଗବେଷକ/(ଗ୍ରେ)କେ ପରାମର୍ଶ ପ୍ରଦାନ: ସମୟସୀମା ଆଗନ୍ତୁ ମାସ;
- ଘ) ପତ୍ର ଆରି: ଗବେଷଣା ପ୍ରତାବନା/ପ୍ରତାବନାମୁହଁର ଅନୁମୋଦନ ଓ ଏଇ ଅନୁକୂଳେ ଦର୍ଶକାରୀଙ୍କ ଜାରିକରଣ: ସମୟସୀମା ଆଗନ୍ତୁ ମାସ;
- ଓ) ଅର୍ଥ ଛାଡ଼: ଅନୁମୋଦିତ ଗବେଷଣା ପ୍ରତାବନା/ପ୍ରତାବନାମୁହଁର ଅନୁକୂଳେ ୧ମ କିତ୍ତିର ଅଗ୍ରିମ ଅର୍ଥ ପ୍ରଦାନ: ସମୟସୀମା ସେଷେଷର ମାସ। ଗବେଷଣା ଓ ଶିକ୍ଷାକ୍ରମ ଉପରୟନ ଅନୁଷ୍ଠାନ ଅଗ୍ରିମ ଅର୍ଥ ପ୍ରଦାନେ ସୁପାରିଶ କରାବେ।

২.৯ গবেষণা কার্যক্রমের মেয়াদ

গবেষণা কার্যক্রমের মেয়াদ সাধারণভাবে অর্থ বছরের (জুলাই-জুন) মধ্যে সীমিত থাকবে। তবে মহাপরিচালক, নেপ প্রয়োজনবোধে এই সময়সীমা বৃক্ষি করতে পারবেন।

২.১০ গবেষণা কার্যক্রম আরত্ত

গবেষণা কমিটি কর্তৃক গবেষণা প্রত্নাব অনুমোদনের পর অনুষদ প্রধান (গবেষণা ও শিক্ষাক্রম উন্নয়ন) প্রতিটি অনুমোদিত গবেষণা প্রত্নাবনার অনুকূলে অফিস আদেশ জ্ঞানির ব্যবস্থা করবেন এবং একই সময়ে প্রতিটি অনুমোদিত গবেষণা প্রত্নাবনার অনুকূলে প্রথম কিস্তির অগ্রিম অর্থ ছাড়করণের সুপারিশ করবেন। অফিস আদেশ জ্ঞানির ভারিখ থেকে গবেষণা কার্যক্রম শুরু হয়েছে মর্মে গণ্য হবে।

২.১১ গবেষণা অগ্রগতি পর্যালোচনা

প্রধান গবেষক ত্রৈমাসিক ভিত্তিতে গবেষণা কার্যক্রমের অগ্রগতি প্রতিবেদন নির্ধারিত হকে মহাপরিচালক, নেপ ব্যাবর পেশ করবেন।

২.১১.১ সংশ্লিষ্ট মূল্যায়নকারীগণের মতামত অনুসারে গবেষণার খসড়া প্রতিবেদন তৈরি করা হবে।

২.১১.২ খসড়া প্রতিবেদন নেপ কর্তৃক আয়োজিত গবেষণা সেমিনারে উপস্থাপন করা হবে।

২.১১.৩ সেমিনারের সুপারিশের ভিত্তিতে খসড়া প্রতিবেদন চূড়ান্ত করা হবে।

২.১১.৪ চূড়ান্ত গবেষণা প্রতিবেদনের সফট কপি এবং প্রিণ্টেড কপি গবেষণা ও শিক্ষাক্রম উন্নয়ন অনুষদ প্রধানের নিকট জমা প্রদান করা হবে।

২.১১.৫ গবেষণার প্রিণ্টেড কপি নেপ এর গ্রন্থাগার ও গবেষণা অনুষদের নিকট সংরক্ষিত থাকবে। এছাড়া প্রাথমিক ও গণশিক্ষা মন্ত্রণালয়ের গ্রন্থাগারে সংরক্ষণের জন্য কপি পাঠানো হবে।

৩. গবেষণা পরিচালনার ঘোষ্যতা ও অন্যান্য শর্তাবলি

৩.১ প্রধান গবেষক এবং গবেষকের ঘোষ্যতা

৩.১.১ নেপের অনুষদ সদস্যগণের মধ্যে যারা উচ্চশিক্ষায় গবেষণা বিষয়ক কোর্স করেছেন বা ইতোপূর্বে থিসিস বা অন্য কোন গবেষণা কার্যক্রম সম্পাদন করেছেন তারা গবেষক হতে পারবেন। তবে গবেষণা দল প্রয়োজনে সংশ্লিষ্ট গবেষণার বিষয়ে বিশেষজ্ঞ ব্যক্তিকে গবেষণা দলে অন্তর্ভুক্ত করতে পারবেন;

৩.১.২ একাধিক গবেষকের সমন্বয়ে গবেষণা-দল তৈরি করা যাবে। গবেষণা পরিধির ভিত্তিতে একক ব্যক্তিও গবেষণা পরিচালনা করতে পারবেন;

৩.১.৩ গবেষণা-দলের সদস্যগণের মধ্যে অধিক অভিজ্ঞতাসম্পর্ক নেপের গবেষক প্রধান গবেষক হবেন;

৩.১.৪ গবেষণায় অভিজ্ঞতাসম্পর্ক একাডেমি বহির্ভূত যেকোনো প্রতিষ্ঠান বা ব্যক্তিকে বিশেষ ক্ষেত্রে গবেষণা পরিচালনায় সম্পৃক্ত করা যাবে। সেক্ষেত্রে কোন স্থানীয় জ্ঞানীলে গবেষকের ন্যূনতম দু'টি প্রকাশনা থাকতে হবে।

৩.১.৫ একাধিক গবেষকের সমন্বয়ে গঠিত গবেষণা দলের পরিচালিত গবেষণা সম্পাদনের ক্ষেত্রে সকল গবেষক সমানভাবে দায়িত্বশীল ও জবাবদিহি থাকবেন। গবেষণা প্রত্নাব অনুমোদন হ্বার পর যদি প্রধান গবেষক বা অন্য কোনো গবেষক বদলি/অবসরে যান তবে তিনি গবেষণা শেষ করতে পারবেন অথবা তার স্থলে নেপের অন্য কোন গবেষককে প্রতিস্থাপন করা যাবে;

৩.১.৬ নেপের কোনো গবেষক এক অর্ধবছরে নেপ কর্তৃক পরিচালিত সর্বাধিক দু'টি গবেষণায় যুক্ত হতে পারবেন;

৩.১.৭ গবেষণার পরিধি ও প্রয়োজনীয়তার নিরিখে নেপ প্রাথমিক স্তরের মাঠপর্যায়ের শিক্ষক ও কর্মকর্তাগণকে গবেষণা সহযোগী বা সহায়ক হিসেবে অন্তর্ভুক্ত করতে পারবে।

মোঃ শাহু আলম
অতিরিক্ত সচিব
মহাপরিচালক

জাতীয় প্রাথমিক শিক্ষা একাডেমি (নেপ)
ময়মনসিংহ।

১৭/০৮/১৭
ড. বিলকিম বেগম
উপসচিব
প্রাথমিক ও গণশিক্ষা মন্ত্রণালয়
গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকার

৪. গবেষণা কার্যক্রমের আর্থিক ব্যবস্থাপনা

৪.১ তহবিলের উৎস

নিম্নলিখিত উৎসসমূহ থেকে গবেষণা তহবিল গঠিত হবে:

- ক) নেপের রাজস্ব ও উন্নয়ন বাজেটের পরিষেবা উপর্যাতে বরাদ্দকৃত অর্থ এবং
- খ) দেশি ও বিদেশি সংস্থা কর্তৃক গবেষণা পরিচালনার জন্য প্রদত্ত অর্থ।

৪.২ প্রধান গবেষক ও গবেষকগণের সম্মানী

- ৪.২.১ প্রতিটি অনুমোদিত গবেষণা কার্যক্রমের অনুকূলে নেপ এর রাজস্ব বা উন্নয়ন খাত থেকে বরাদ্দকৃত বাজেটের সর্বোচ্চ শতকরা ৪০ ভাগ অর্থ প্রধান গবেষক ও গবেষকগণ সম্মানী হিসেবে গ্রহণ করতে পারবেন;

- ৪.২.২ প্রধান গবেষক এবং গবেষকগণ গবেষণার প্রয়োজনে করা ভ্রমণ ভাতা সংশ্লিষ্ট গবেষণার বাজেট হতে গ্রহণ করবেন। নেপ হতে আলোচনার প্রয়োজন ভাতা প্রাপ্ত হবেন না।

- ৪.২.৩ বিদেশি এবং নেপ বহির্ভূত দেশীয় অর্থায়নে পরিচালিত গবেষণার ক্ষেত্রে অর্থদাতাদের সাথে আলোচনা করে সম্মানীর পরিমাণ ও অন্যান্য বিষয় নির্ধারণ করা যাবে।

৪.৩ গবেষণার বাজেট বিভাজন

গবেষণার বাজেট বিভাজনে নিম্নলিখিত বিষয় অন্তর্ভুক্ত থাকবে:

৪.৪.১ গবেষণা পরিচালনা বাজেট (গবেষক কর্তৃক)

- ক) প্রধান গবেষক ও গবেষকের সম্মানী;
- খ) গবেষণা সহায়তা ব্যয় (যাতায়াত ও দৈনিক ভাতা, গবেষণার টুলস মুদ্রণ, তথ্যসংগ্রহ, তথ্য বিশ্লেষণ এবং খসড়া ও চূড়ান্ত প্রতিবেদন প্রস্তুত, স্টেশনারি ও প্রয়োজনীয় দ্রব্যাদি ক্রয়, ছালানি তেল ক্রয় ইত্যাদি);
- গ) অনুমোদিত গবেষণা প্রস্তাবনার আলোকে সংশ্লিষ্ট প্রধান গবেষক গবেষণার বাজেট বিভাজন (সম্মানী ও গবেষণা সহায়তা ব্যয়ের উপর্যাতসমূহ) অনুষদ প্রধান (গবেষণা ও শিক্ষাক্রম উন্নয়ন অনুষদ)-এর নিকট পেশ করবেন। প্রতিটি অনুমোদিত গবেষণার বাজেট বিভাজন মহাপরিচালক, নেপ কর্তৃক অনুমোদিত হতে হবে;

৪.৪.২ গবেষণা সহায়তা বাজেট (গবেষণা ও শিক্ষাক্রম উন্নয়ন অনুষদ কর্তৃক)

- ঘ) খসড়া প্রতিবেদন বিবেচনার উদ্দেশ্যে আয়োজিত সেমিনারে সভাপতি, আলোচক ও র্যাপোর্টার বিধিমোত্তাবেক সম্মানী প্রাপ্ত হবেন, যা নেপের গবেষণা বাজেট থেকে মেটানো হবে;
- ঙ) গবেষণা কমিটির সম্মানী। নেপ কর্তৃক পরিচালিত এক বা একাধিক গবেষণা কার্যক্রমের সভায় অংশগ্রহণের জন্য গবেষণা কমিটির সদস্যগণ এক অর্থ-বছরে একবার ৩০০০/- (তিনি হাজার) টাকা হারে সম্মানী পাবেন। গবেষণা কমিটির সভা এবং গবেষণা সংশ্লিষ্ট সেমিনার নেপের গবেষণা ও শিক্ষাক্রম উন্নয়ন অনুষদ কর্তৃক আয়োজন করা হবে এবং এ সংক্রান্ত ব্যয়ভার নেপের গবেষণা খাত হতে মেটানো হবে;
- (চ) গবেষণার কার্যক্রম মূল্যায়নের জন্য গবেষণা মূল্যায়ন কমিটির সদস্যদের প্রত্যেকে এক অর্থ-বছরে একবার ৫০০০.০০ (পাঁচ হাজার) টাকা হারে সম্মানী পাবেন। মূল্যায়নকারীগণের সম্মানীর অর্থ নেপের গবেষণা খাতে বরাদ্দকৃত অর্থ থেকে নির্বাহ করা হবে।
- ছ) চূড়ান্ত গবেষণা প্রতিবেদন মুদ্রণ ও বিতরণ ব্যয় নেপের গবেষণা খাত থেকে নির্বাহ করা হবে।

৪.৫ গবেষণা কার্যক্রমে অর্থ প্রদান, হিসাব সংরক্ষণ ও সমন্বয়করণ

- ৪.৫.১ প্রতিটি অনুমোদিত গবেষণা কার্যক্রমের অর্থ দুই কিস্তিতে প্রদান করা হবে। গবেষণা কার্যক্রমের সময়সীমা ও কর্মপরিকল্পনার প্রক্ষিতের প্রথম কিস্তিতে অনুমোদিত গবেষণা বাজেটের শতকরা ৫০ ভাগ অর্থ প্রধান গবেষক অনুকূলে অগ্রিম হিসেবে প্রদান

৫

১০ মে ২০১৪
১৭/০৫/১৪

ড. বিশ্বকুমার বেগো

উপসচিব
প্রাথমিক ও গবেষণা মন্ত্রণালয়
গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকার

মোঃ শাহিদুল ইসলাম
অতিরিক্ত সচিব
মহাপরিচালক
জাতীয় প্রাথমিক শিক্ষা একাডেমি (নেপ)
ময়মনসিংহ।

করা হবে এবং প্রধান গবেষক ব্যয়ের বিল-ভাউচার মহাপরিচালক, নেপ বরাবর জমা দিয়ে প্রথম কিসিতে গৃহীত অগ্রিম সমন্বয় করবেন।

- ৪.৫.২ খসড়া গবেষণা প্রতিবেদন কর্মশালা/সেমিনারে উপস্থাপন, কর্মশালা/সেমিনারে প্রদত্ত সুপারিশের ভিত্তিতে সংশোধন এবং গবেষণা মূল্যায়ন কমিটির ইতিবাচক অভাবত প্রাপ্তি সাপেক্ষে এবং চূড়ান্ত প্রতিবেদন (হার্ড কপি এবং সফট কপি) গবেষণা ও শিক্ষাক্রম উন্নয়ন অনুষদের বিকট জমা দেয়ার পর হিসাব শাখা দ্বিতীয় কিসিতে বাকি শতকরা ৫০ ভাগ অর্থ প্রধান গবেষক এর অনুকূলে প্রদান করবে। প্রধান গবেষক চূড়ান্ত হিসাব, বিল, ভাউচার, রশিদ, ব্যয়-বিবরণীসহ মহাপরিচালক, নেপ বরাবর জমা দিয়ে গবেষণার হিসাব সমন্বয় করবেন।
- ৪.৫.৩ অর্থ বছরের জুন মাসের মধ্যে দ্বিতীয় কিসিতের অর্থ সমন্বয় করতে হবে। বিশেষ ক্ষেত্রে গবেষণা কমিটি বিকল্প ব্যবস্থা গ্রহণ ও আন্তঃখাত সমন্বয় করতে পারবেন।

৪.৬ গবেষণা কার্যক্রমে নিয়োজিত গবেষকদের (প্রধান গবেষক এবং গবেষক) লিখিত সম্মতি আপন পত্র

- ক) গবেষণা কার্যক্রমে নিয়োজিত প্রধান গবেষক এবং গবেষকগণ প্রত্যেকে নেপকে এই মর্মে লিখিত সম্মতি প্রদান করবেন যে, তারা নির্দিষ্ট সময়ে সংশ্লিষ্ট গবেষণার কাজ সম্পাদনে সর্বাধিক চেষ্টা করবেন। কোন কারণে গবেষণা অসম্পূর্ণ রেখে কোন গবেষক গবেষণা কার্যক্রম হতে অব্যাহতি নিলে গৃহীত সম্মানী (যদি গ্রহণ করে থাকেন) ফেরত প্রদান করবেন।
- খ) কোনো গবেষক গবেষণা অসম্পূর্ণ রেখে গবেষণা থেকে অব্যাহতি নিলে গৃহীত সম্মানী (যদি গ্রহণ করে থাকেন) নেপ হিসাব শাখায় ফেরত না দিলে প্রচলিত আইন PDR Act, 1913 অনুযায়ী তা আদায় করা যাবে।
- গ) অনুমোদিত গবেষণায় নিয়োজিত গবেষকগণের পরিবর্তন বা প্রতিস্থাপনের ক্ষেত্রে মহাপরিচালক, নেপের অনুমোদন নিতে হবে।

৪.৭ গবেষণা কার্যক্রমে গৃহীত অর্থের অবাবদিহিতা

গবেষণা কমিটি কর্তৃক নির্ধারিত সময়-সীমার মধ্যে কোনো গবেষণা প্রতিবেদন যথানিয়মে জমা না দিলে কিংবা প্রধান গবেষক/গবেষকগণ কর্তৃক গবেষণা পরিয়োজ্য হলে অথবা দায়িত্ব পালনে অসমর্থ হলে উক্ত গবেষণা বাতিল বলে গণ্য করা হবে এবং গৃহীত সমুদয় অর্থ প্রধান গবেষক/গবেষকগণ নেপের হিসাব শাখায় ফেরত দিতে বাধ্য থাকবেন। যদি কোনো গবেষণার ব্যবহার মেটানোর পর অর্থ উত্তৃত থেকে যায়, তবে তা প্রধান গবেষক/গবেষকগণ নেপে ফেরত প্রদান করবেন।

৫. গবেষণা নির্দেশিকা প্রয়োগ ও পরিবর্তন

- ৫.১.১ নেপ এর রাজস্ব ও উন্নয়ন বাজেট এবং দেশি, বিদেশি সংস্থা কর্তৃক গবেষণা পরিচালনার জন্য প্রদত্ত অর্থ দ্বারা পরিচালিত গবেষণা এবং পরামর্শদানকুলক গবেষণাকর্মের ক্ষেত্রে এই নির্দেশিকা প্রযোজ্য হবে। তবে ব্যক্তিগত উদ্যোগে অন্য যে কোনো উৎস থেকে প্রাপ্ত অর্থের মাধ্যমে পরিচালিত কোনো গবেষণার সাথে একাডেমির কোন কর্মকর্তা/কর্মচারীর সম্পৃক্ত হওয়া এই গবেষণা নির্দেশিকার আওতায় আসবে না।
- ৫.১.২ জাতীয় ও আন্তর্জাতিক দণ্ড/সংস্থার সাথে যৌথ উদ্যোগে পরিচালিত গবেষণার ক্ষেত্রে সমরোহ স্মারকের মাধ্যমে প্রয়োজনীয় শর্তাবলী নির্ধারণ করা হবে।
- ৫.১.৩ সময়ের পরিবর্তন কিংবা উত্তৃত পরিহিতি মোকাবেলায় যদি গবেষণা নির্দেশিকা পরিবর্তন, পরিমার্জন ও পরিবর্ধনের প্রয়োজন দেখা দেয়, তাহলে নেপের মহাপরিচালক নির্দেশিকার সংশ্লিষ্ট অংশ পরিবর্তন/পরিমার্জন করতে করবেন। তবে তা নেপ বোর্ড অব গড়গরস কর্তৃক অনুমোদন করিয়ে নিতে হবে।

মোঃ শাহ আলম
অতিথিক সচিব
মহাপরিচালক
জাতীয় প্রযুক্তি একাডেমি (নেপ)
মুসলিম

৩০-৪০
১/১০৮/২
ড. বিলকিস বেগম
উপসচিব
প্রাথমিক ও গণপিণ্ড মন্ত্রণালয়
গণপ্রজাতন্ত্রী বাংলাদেশ সরকার

৬৭

৬. বিবিধ

- ৬.১ নেপ পরিচালিত সকল গবেষণা প্রতিবেদনের স্বত্ত্ব নেপ কর্তৃক সংরক্ষিত থাকবে। তবে গবেষক নেপের পূর্বানুমতি সাপেক্ষে তা অন্য কোথাও প্রকাশ করতে পারবেন।
- ৬.২ গবেষণা ফলাফলের ও সুপারিশের যথাযথ প্রয়োগ ও বাস্তবায়ন নিশ্চিতকরণে গবেষণালক্ষ ফলাফল/তথ্য/প্রতিবেদন বিভিন্ন মাধ্যমে প্রচার করা হবে। যেমন: সেমিনার ও ওয়ার্কশপ, প্রাতিষ্ঠানিক যোগাযোগ, প্রশিক্ষণ, ওয়েবসাইটে প্রকাশ ইত্যাদি।
- ৬.৩ গবেষণার একটি করে কলি নেপের প্রচারণারে, প্রাথমিক ও গণশিক্ষা মন্ত্রণালয়/প্রাথমিক শিক্ষা অধিদপ্তর/ আইইআর, ঢাকা বিশ্ববিদ্যালয়ে সংরক্ষণ করা হবে। এছাড়াও National Archive এ সংরক্ষণ করার ব্যবস্থা করা হবে।
- ৬.৪ প্রধান গবেষক ও গবেষকদের গবেষণা কর্তৃর জন্য দ্রুমগকালকে দাঙ্গরিক কাজে কর্মরত হিসেবে গণ্য করা হবে।
- ৬.৫ প্রত্যেকজন/রেফারেন্সিং এর ক্ষেত্রে American Psychological Association (APA) রেফারেন্সিং সিস্টেমের (সর্বশেষ ডার্সন) অনুসরণ করা হবে।

21/07/2020

মোঃ শাহ আলম
অতিরিক্ত সচিব
ঝাপরিচালক
জাতীয় প্রযুক্তি শিক্ষা একাডেমি (নেপ)
খুববস্তি।

B.B
১৭/০৮/২০২০
ড. বিলাস হেগড়
উপসচিব
প্রাথমিক ও গণশিক্ষা মন্ত্রণালয়
শহীদস্মাজী বাংলাদেশ সরকার

পরিশিষ্ট-ক
গবেষণা অঞ্চলিক প্রতিবেদন ছক

১। গবেষণার শিরোনাম:

২। গবেষণা প্রস্তাবনা অনুমোদনের তারিখ:

৩। গবেষণার বিভিন্ন কার্যক্রমের অঞ্চলিক:

ক্রমিক নং	কার্যক্রমের নাম	সময়সূচী পরিকল্পনা	কার্যক্রমের অঞ্চলিক	সম্পাদনের তারিখ
১।	গবেষণার সাহিত্য পর্যালোচনা			
২।	গবেষণা টুলস প্রণয়ন (খসড়া)			
৩।	গবেষণা টুলস পাইলটিং			
৪।	গবেষণা টুল প্রণয়ন (চূড়ান্ত)			
৫।	গবেষণা টুলস মুদ্রণ			
৬।	গবেষণার তথ্য সংগ্রহ			
৭।	তথ্য সংরিবেশ			
৮।	তথ্য বিশ্লেষণ			
৯।	গবেষণা প্রতিবেদন প্রণয়ন (খসড়া)			
১০।	গবেষণা সেমিনারে প্রতিবেদন উপস্থাপন (খসড়া)			
১১।	গবেষণা প্রতিবেদন প্রণয়ন (চূড়ান্ত)			
১২।	গবেষণা প্রতিবেদন মুদ্রণ			

Md. Shahidul Islam
 ০৭১০৯২০২৬

মোঃ শাহ আলম
 অভিযোগ সচিব
 মহাপরিচালক
 জাতীয় প্রার্থনিক শিক্ষা একাডেমি (নেপ)
 অয়মনসিংহ।

Bangla
 ১/০৮/২০

ত. বিলক্ষিস বেগম
 উপসচিব
 প্রার্থনিক ও গবেষণা মন্ত্রণালয়
 পাশ্চাত্যান্তর্ভুৱ বাংলাদেশ সরকার